रसूलुल्लाह ﷺ रहमत ही रहमत है

मौलाना जुल्फिकार अहमद नक्शबंदी (दब)

खुतबात जुल्फकार फकीर हिन्दी/2 [१३४-१३८]

मजमून का खुलासा हे

ये PDF ग्रामर या कोई भाषा का अदब नहीं है

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

अल्लाह तआला इर्शाद फरमाते है तर्जुमा – प्यारे हमने आपको रहमत बनाकर भेजा है. आप दुनिया की हर मख्लूक के लिए रहमत साबित हुए.

| रसूलुल्लाह ﷺ इन्सानो के लिए रहमत

रसूलुल्लाह ﷺ की रहमत से इन्सानो ने भरपूर फायदा उठाया. आपने दुआ फरमाई ऐ अल्लाह मेरे बाद मेरी उम्मत पर कोई ऐसा अज़ाब न आए की इनकी शक्लो को बदल दिया जाए. अल्लाह तआला ने दुआ कुबूल फरमा ली. आज जो हम अपनी शक्लो पर ज़िन्दा है यह रसूलुल्लाह ﷺ की दुआओ का सदका है वरना पहली उम्मतो की तरह पकड होती तो सैकडो में से कोई एक होता जो अपनी असली शक्ल पर बाकी रहता.

| रसूलुल्लाह ﷺ जानवरो के लिए रहमत

रसूलुल्लाह ﷺ की रहमत से जानवरो ने भी रहमत पाई. एक बार एक बाग में तशरीफ ले गए तो एक

ऊंट बिलबिलाता हुआ आपके कदमो में आया. आपने उस्के मालिक को बुलाकर फरमाया यह बे-ज़बान जानवर है. तुम्हें चाहिए की इस्के साथ नरमी बरतो. यह शिकवा कर रहा है की तुम इस्से काम ज्यादा लेते हो और इसे चारा थोडा देते हो. सुब्हानअल्लाह जानवर भी आपकी खिदमत में आकर अपनी तकलीफ बयान करते थे.

रसूलुल्लाहﷺ एक दफा मदीना तैय्यबा से बाहर तशरीफ ले जा रहे थे. एक यहूदी ने हिरनी पकडी हुई थी. आप जब करीब से गुज़रे तो उस हिरनी ने आपसे कहा, ऐ अल्लाह के नबी! मुझे इसने पकड लिया है. इस सामने वाले पहाड में मेरा बच्चा है और उस्के दूध का वक्त हो गया है. मुझे मेरी ममता जोश मार रही है की उसे दूध पिला लूं. आप मुझे थोडी देर के लिए आज़ाद करा दीजिए. रसूलुल्लाहﷺ ने उस्की बात सुनी तो यहूदी से कहा थोडी देर के लिए इसे आज़ाद कर दो. यह दूध पिलाकर वापस आ जाएगी. उसने कहा बडी मुश्किल से इसे पकडा है, क्या आप इस्की ज़िम्मेदारी लेते हैं? आपने फरमाया की में इस्की ज़िम्मेदारी कुबूल करता हूं. लिहाज़ा हिरनी को छोडा गया. वह उसी वक्त छलांगे मारती हुई पहाड की तरफ गई. आप वहीं थे की वह दोबारा भागती

हुई वापस आ गई. यहूदी हिरनी की इस इताअत को देखकर हैरान रह गया. चुनांचे उसने कलिमा पढा और मुसलमान हो गया.

| रसूलुल्लाह ﷺ औरतो के लिए रहमत

आपﷺ की रहमत से औरतो ने भी फायदा उठाया. आप सोचेंगी वह कैसे? देखें रसूलुल्लाहﷺ के तशरीफ लाने से पहले इस समाज में औरत की क्या कीमत थी. लोग अपने घर में बेटी की पैदाईश को बुरा समझते थे और उन्हें ज़िन्दा कब्र में दफन कर देते थे. बाप बेटी को मुहब्बत और प्यार की नज़र से नहीं देखा करता था. मगर रसूलुल्लाहﷺ तशरीफ लाए तो फरमाया, जिस्के यहां दो बेटियां हो और वह उन्की परवरिश करे यहां तक की उन्का निकाह कर दे तो वह आदमी जन्नत में मेरे साथ ऐसे होगा जैसे ये दो उंगलियां एक दूसरे के साथ है. इस हदीसे मुबारक के पढने के बाद भला कोई मोमिन अपनी बेटी को गिरी हुई नज़र से देख सकता हैं? नहीं बल्कि समझेगा की मेरे लिए तो जन्नत का दरवाज़ा खुल गया.

सैय्यदना रसूलुल्लाहﷺ के आने से पहले बीवियो के साथ बहुत झुल्म की ज़िन्दगी गुज़ारी जाती थी. आप तशरीफ लाए तो आयते उतरी तर्जुमा - और तुम उनसे मारूफ (अच्छे) तरीके से ज़िन्दगी गुज़ारो. वह

तुम्हरा लिबास है और तुम उन्का लिबास हो. एक आदमी लिबास के बगैर नंगा होता है. इसी तरह अगर तुम शादी-शुदा ज़िन्दगी नहीं गुज़ारोगे तो तुम्हारी ज़िन्दगी भी हर वक्त खतरे में होगी.

| रसूलुल्लाह ﷺ बूढो के लिए रहमत

आपﷺ के तशरीफ लाने से बूढो को इज्ज़त मिली. उस वक्त बूढो की कोई इज्ज़त नहीं करता था. रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया, जिसने किसी ऐसे आदमी की इज्ज़त की जिस्के बाल इस्लाम में सफेद हो गए हो तो यह ऐसा ही है जैसे उसने अपने अल्लाह की इज्ज़त की.

| रसूलुल्लाहﷺ बच्चों के लिए रहमत

रसूलुल्लाहﷺ के सदके से छोटो को इज्ज़त मिली. फरमाया जो हमारे छोटो पर रेहम नहीं करता वह हम में से नहीं है. गोया छोटो ने भी रसूलुल्लाहﷺ की रहमत से हिस्सा पाया.

| रसूलुल्लाह ﷺ मज़दूरो के लिए रहमत

एक सहाबी रसूलुल्लाहﷺ से मुसाफा करते है. आपने देखा की हाथ बहुत सख्त है. वजह पूछी तो अर्ज़ किया, ऐ अल्लाह के नबी! में पहाड पर रहता हूं. वहां पर पत्थर तोडकर ज़िन्दगी गुज़ारता हूं. आपने उस्की

तरफ देखा और फरमाया हाथ से कमाने वाला अल्लाह का दोस्त होता है. मजदूरो को भी इज़्ज़त मिली.

| रसूलुल्लाह ﷺ फरिश्तो के लिए रहमत

रसूलुल्लाहﷺ ने एक बार जिब्रील (अलै) से पूछा, जिब्रील! क्या आपको भी मेरी रहमत से हिस्सा मिला? अर्ज़ किया जी हां आपके तशरीफ लाने से पहले मुझे अपने अंजाम के बारे में डर लगा रहता था. आप तशरीफ लाए तो बस मुझे अपने अंजाम के बारे में तसल्ली नसीब हो गई.

| रसूलुल्लाह ﷺ दुश्मनो के लिए रहमत

रसूलुल्लाहﷺ ने जब मक्का फतेह किया तो आप कुरैशे मक्का से उन्की तकलीफे देने का बदला चुका सकते थे लेकिन आपने इर्शाद फरमाया, में वही करूंगा जो मेरे भाई यूसुफ[अलै] ने अपने भाईयो से कहा था. बस आप दुश्मनो के लिए रहमत साबित हुए.
"जो आसी को कमली में अपनी छिपा ले जो दुश्मन को भी जख्म खा कर दुआ दे उसे और क्या नाम देगा ज़माना वह रहमत नहीं तो फिर और क्या".

बस रसूलुल्लाहﷺ जो सारे आलम के लिए रहमत है उनसे मुहब्बत करना ईमान की अलामत है.